संत निरंकारी मिशन के विकास में महिलाओं का निरंतर अनुकरणीय योगदान

- पूज्य राज वासदेव सिंह जी

मुंबई, 9 अपैल, 2018: "संत निरकारी मिशन के विकास में शुरु से ही महिलाओ का अनुकरणीय एवं महत्वपूर्ण योगदान रहा है जिससे युवा पीढ़ी मिशन द्वारा सिखाये जा रहे आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सहज ही में जुड़ती गई | इसके परिणाम स्वरुप आज इस मिशन में नौजवान और युवतीयाँ सक्रिय रुप से भाग ले रही हैं | कहा जाता है कि 13 से 19 साल की उम्र जीवन का एक नाजुक मोड़ होता है | इस उम्र में मानव को सही राह मिलना जरुरी होता है, अन्यथा वह भटक भी सकता है | निरंकारी मिशन जीवन के इस नाज़ुक मोड़ पर यथार्थ जीवन जीने की सिखलाई प्रदान कर इस जरुरत को पूरा करता है |"

संत निरंकारी सत्संग भवन, चेंम्बूर में रविवार, 8 अप्रैल, 2018 के दिन आयोजित विशाल महिला संत समागम में पूरे मुंबई महानगर परिक्षेत्र से हजारों की तादात में उपस्थित महिला एवं पुरुष भक्तों को सम्बोधित करते हुए पूज्य बहन राज वासदेव जी ने उक्त उद्गार व्यक्त किए | ज्ञात हो कि पूज्य राज वासदेव जी संत निरंकारी मंडल के प्रचार विभाग की मेंबर इंचार्ज है | पिछले तीन दिन से मुंबई में आयोजित क्षेत्रस्तरिय महिला संत समागमों की श्रृंखला को आप संबोधित कर रही है | चेंबूर से पहले 6 अप्रैल को नेरुल (नवी मुंबई) में एवं ७ अप्रैल को मलाड में आयोजित नारी समागमों की आपने अध्यक्षता की |

ember in-charge,Prachar Vibhag,Sant Nirankari Mandal addressing a huge gathering at the at Nerul,Navi Mumbai on Friday 6 th April ,2018.

Vasudev ji,Member in-charge,Prachar Vibhag,Sant Nirankari Mandal add lering at the Mahila Sant Samagam at Nerul,Navi Mumbai on Friday 6 th

ceedings of the Mahila Sant Samagam organized by the Sa at Nerul,Navi Mumbai on Friday 6th April,2018.

संत निरंकारी मिशन में महिलाओं के महान योगदान का जिक्र करते हुए आपने कहा कि मिशन के संस्थापक बाबा बूटा सिंह जी की धर्मपत्नी श्रीमती वन्ती जी, बाबा अवतार सिंह जी की धर्मपत्नी पूज्य जगतमाता बुद्धवन्ती जी, निरंकारी राजमाता कुलवंत कौर जी और मिशन की वर्तमान सद्गुरु माता सविंदर हरदेव जी का असाधारण योगदान महिला जगत का ही नहिं बल्कि पूरी मानव जाति का निरंतर मार्गदर्शन करता रहेगा |

**Rev. Raj Vasudev ji,
Member in-charge,
Prachar Vibhag,
Sant Nirankari Mandal
addressing a huge gathering
at the Mahila Sant Samagam
organized by
The Sant Nirankari Mandal
at Chembur, Mumbai
on Sunday 8th April, 2018.**

Glimpses of the proceedings of the Mahila Sant Samagam organized by The Sant Nirankari Mandal at Chembur, Mumbai on Sunday 8th April, 2018.

मिशन की विचारधारा के बारे में आपने कहा कि कोई भी इन्सान प्रभु का ज्ञान प्राप्त करके प्रभु की इच्छा के अनुरुप जीवनयापन कर सकता है | संसार की सारी जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी वह कमल की भांति अनासक्त भाव से सहजावस्था में जीवन जी सकता है |

आपने कहा कि मिशन मे सद्गुरु के पदचिन्हों पर चल कर 'ईश्वर प्रेमरुप है और प्रेम ईश्वर का रुप है' इस उक्ति को चरितार्थ किया जा सकता है | क्योंकि सद्‌गुरु ही अलौकिक ईश्वरीय प्रेम का पाठ पढ़ाता है |

इस महिला संत समागम के दौरान कई वक्ताओं ने अपने विचार, गीत, लघुनाटिकायें, भक्तिरचनायें एवं प्रश्नमंजुषा आदि माध्यम से प्रेम, दया, सहनशीलता, विश्वास, करुणा, एकत्व आदि मूल्यों पर प्रकाश डाला | पूज्य जुगल किशोर जी एवं भगत कोटूमल जी (संत निरंकारी मिशन अनमोल रत्न किताब से) के प्रेरणादायी जीवन पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में मुम्बई के कुल 13 सेक्टर की बहनो ने पुरे उत्साह के साथ भाग लिया |

इसके पूर्व मंडल के मुंबई ज़ोन की अतिरिक्त क्षेत्रीय प्रभारी बहन सरबजीत शौक जी ने फूलों के गुलदस्ते से पूज्य बहन राज वासदेव जी का स्वागत किया | इस अवसर पर मुंबई के क्षेत्रीय प्रभारी भाई साहिब भूपेंद्र सिंह “दिलवर” जी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे |